



Date:- 22-01-2025

Ref. No. AU/HZB/NSS/Reg/ 1901/2025

To,

The Regional Director

Ministry of Youth Affairs & Sports

Regional Directorate of NSS

7th Floor C Wing, Near Rajiv Nagar Thana.

Aashiyana- Digha Road Patna – 800025

Sub:- Monthly activities of NSS Programmes for the month of 25 December 2024 – 21 January 2025.

Respected sir,

In this regard, the details of a monthly report of the activities conducted under the banner of NSS in our University is as follows:-

Sl.No.	Activities	Date/Month
1	VIKSIT BHARAT	10 th and 11 th January 2025
1	Young Leaders Dialogue National Youth Festival 2025 anchors for the events on 10 th and 11 th in Bharat Mandapam	
2	राष्ट्रीय युवा दिवस 2025 समारोह	13 January 2025

Thanking You.

Yours Sincerely,

Dr. Munish Govind

Registrar

(Aisect University, Hazaribag)





























आईसेक्ट विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

- यवा सामर्थ्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगा : डॉ मुनीष गोविंद
- 🗨 स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक : प्रो पीके नायक

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सोमवार में विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित कर स्वामी विवेकानंद के जयंती को लेकर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद को पृष्पांजलि अर्पित के साथ हुई। मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि युवा पीढ़ी के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन



संभव है। इसलिए आज के युवाओं को स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को अपनाने और उसे अपने जीवन में शामिल करने की जरूरत है। ताकि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए खुद को सशक्त बना सकें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि जिस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने ध्यान साधना के माध्यम से थोड़े समय में ही असाधारण कार्य किए। ठीक उसी प्रकार हर युवा अपनी मन व

बुद्धि को एकाग्र कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत कर सकते हैं और देशहित में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ रितेश कुमार, सबिता कुमारी, मुकेश कुमार, फरहीन सिदीकी, प्रतिभा हेंब्रम, राजेश रंजन, प्रीति वर्मा सहित कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं कर्मियों के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेविकाओं के साथ साथ कई विद्यार्थी शामिल थे।

समाचार अधिकारिक Website: www.samacharavlokan.com

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

युवा सामर्थ्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगा : डॉ मुनीष गोविंद

स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक : प्रो पीके नायक

समाचार अवलोकल हजारीबाग योगेंद्र प्रजापति

हजारीबाग। आर्डसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य केंपस सोमवार को विश्वविद्यालय एनएसएस इकाई के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित कर स्वामी विवेकानंद के जयंती को लेकर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद को साथ हुई। मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि युवा पीढ़ी के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक



परिवर्तन संभव इसलिए आज के युवाओं स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को अपनाने और उसे अपने जीवन में शामिल पुष्पांजलि अर्पित के करने की जरूरत है। ताकि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपर्ण योगदान देने के लिए खुद को सशक्त बना सकें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का

है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि जिस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने ध्यान साधना के माध्यम से थोड़े समय में ही असाधारण कार्य हर युवा अपनी मन व अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत कर सकते हैं देशहित

महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की मुझे पूरी उम्मीद है कि यूवा सामर्थ्य भारत विकसित को बनायेगा। भारत उन्होंने कहा कि स्वामी किए। ठीक उसी प्रकार विवेकानंद ने एक बार और उनके युवाओं के कहा था कि आप जो बुद्धि को एकाग्र कर भी सोचेंगे, वही बनेंगे। आधारित भाषण एवं स्व. अगर आप खुद को कमजोर समझेंगे. तो में आप कमज़ोर बनेंगे।

मज़बूत बनेंगे। इसलिए सभी को हमेशा सोंच सकारात्मक रखने की जरूरत है। इस अवसर एनएसएस समन्वयक डॉ रोजी कांत ने स्वामी विवेक. ानंद से जुड़े संस्मरण लेकर अपने विचार रखे और कहा कि आज का युवा अपने कार्यों से भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने का सेतु बनेगा। इस दरम्यान स्वामी विवेकानंद के विचारों दुष्टिकोण पर रचित कविता प्रतियो. गिता का आयोजन किया गया जिसके

अगर आप खुद को

मजबूत समझेंगे, तो आप

विजेता प्रतिभागियों को आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन विश्वविद्यालय आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा, जो न केवल उनकी उपलब्धियों को मान्यता देगा, बल्कि अन्य छात्रों को भी प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में कषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ रितेश कुमार, सबिता कुमारी, मुकेश कुमार, फरहीन सिद्दीकी, प्रतिभा हेंब्रम, राजेश रंजन, प्रीति वर्मा सहित कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं के साथ साथ कई विद्यार्थी शामिल थे।





आईसेक्ट विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

युवा सामर्खे ही मारत को विकसित मारत बनायेगा : डॉ. मुनीष गोविंद

स्वदेश संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सभागार में सोमवार को विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित कर स्वामी विवेकानंद के जयंती को लेकर राष्ट्रीय यवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद को पुष्पांजलि अर्पित के साथ हुई। मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि युवा पीढ़ी के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। इसलिए आज के युवाओं को स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को अपनाने और उसे अपने जीवन में शामिल करने की जरूरत है। ताकि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए खुद को सशक्त बना सकें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद



का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि जिस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने घ्यान साधना के माध्यम से थोड़े समय में ही असाधारण कार्य किए। ठीक उसी प्रकार हर युवा अपनी मन व बुद्धि को एकाग्र कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत कर सकते हैं और देशहित में महत्वपूर्ण वागदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की मुझे पूरी उम्मीद है कि बुवा सामर्घ्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था कि आप खुद को कमजीर समझेंगे, वहीं अप खुद को कमजीर अप खुद को कमजीर अप खुद को मजबूत समझेंगे, तो आप मजबूत बनेंगे। इसिलए सभी के हिमेशा साँच सकारात्मक रखने की जरूदत है। इस अवसर पर एनएसएस समन्वयक डॉ रोजी

कांत ने स्वामी विवेकानंद से जुड़े संस्मरण सहित उनके सोंच को लेकर अपने विचार रखे और कहा कि आज का यवा अपने कार्यों से भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने का सेत बनेगा। इस दरम्यान स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके युवाओं के प्रति दृष्टिकोण पर आधारित भाषण एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेता प्रतिभागियों को आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा, जो न केवल उनकी उपलब्धियों को मान्यता देगा, बल्कि अन्य छात्रों को भी प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ रितेश कुमार, सबिता कुमारी, मुकेश कुमार, फरहीन सिद्दीकी, प्रतिभा हेंब्रम, राजेश रंजन, प्रीति वर्मा सहित कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं के साथ साथ कई विद्यार्थी शामिल थे।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

युवा सामर्थ्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगा : डॉ मुनीष गोविंद

स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक : प्रो पीके नायक

पूर्वीचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सभागार में सोमवार को विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित कर स्वामी विवेकानंद के जयंती को लेकर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद को पुषांजलि अर्पित के साथ हुई। मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके कार्यक्रम ने कहा कि युवा पीढ़ी के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।



इसलिए आज के युवाओं को स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को अपनाने और उसे अपने जीवन में शामिल करने की जरूरत है। ताकि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि जिस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने घ्यान साध्या के माध्यम से थोड़े समय में ही असाधारण कार्य किए। ठीक उसी प्रकार हर युवा अपनी मन व बुद्धि को एकाध कर अपनी आंतरिक शक्तियं को जागृत कर सकते हैं और देशहित में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की मुझे पूरी उम्मीद है कि युवा सामर्थ्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था कि आप जो भी सोचेंगे, वही बनेंगे। अगर आप खुद को कमज़ोर समझेंगे, तो आप कमज़ोर बनेंगे। आप मज़बूत बनेंगे। इसलिए सभी को हमेशा सोंच सकारात्मक रखने की जरूरत है। इस अक्सर पर एनएसएस समन्वयक डॉ रोजी कांत ने स्वामी विवेकानंद से जुड़े संस्मरण सहित उनके सोंच को लेकर अपने विचार रखे और कहा कि

आज का युवा अपने कार्यों से भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने का सेतु बनेगा।इस दरम्यान स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके युवाओं के प्रति दृष्टिकोण पर आधारित भाषण एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसके विजेता प्रतिभागियों को आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान परस्कृत किया जाएगा, जो न केवल उनकी उपलब्धियों को मान्यता देगा, बल्कि अन्य छात्रों को भी प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ रितेश कुमार, सबिता कुमारी, मुकेश कुमार, फरहीन सिदीकी, प्रतिभा हेंब्रम, राजेश रंजन, प्रीति वर्मा सहित कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं के साथ साथ कई विद्यार्थी शामिल थे।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

युवा सामर्थ्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगाः डॉ मुनीष गोविंद

दबंग हिन्द,संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सभागार में सोमवार को विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित कर स्वामी विवेकानंद के जयंती को लेकर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद को पुष्पांजलि अर्पित के साथ हुई। मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो पीके नायक ने कहा कि युवा पीढी के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। इसलिए आज के युवाओं को स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को अपनाने और उसे अपने जीवन में शामिल करने की जरूरत है। ताकि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए खुद को सशक्त बना सके। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक है।



विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि जिस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने ध्यान साधना के माध्यम से थोड़े समय में ही असाधारण कार्य किए। ठीक उसी प्रकार हर युवा अपनी मन व बुद्धि को एकाग्र कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत कर सकते हैं और देशहित में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की मुझे पूरी उम्मीद है कि युवा सामध्य ही भारत को विकसित भारत बनायेगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था कि आप जो भी सोचेंगे, वही बनेंगे। अगर आप खुद को कमजोर समझेंगे, तो आप कमजोर बनेंगे। अगर आप खुद को मजबूत समझेंगे, तो आप मजबूत बनेंगे। इसलिए सभी को हमेशा सोंच सकारात्मक रखने की जरूरत है। इस अवसर पर एनएसएस समन्वयक डॉ रोजी कांत ने स्वामी विवेकानंद से जुड़े संस्मरण सहित उनके सोंच को लेकर अपने विचार रखे और कहा कि आज का युवा अपने कार्यों से भारत के संकल्प को सिद्ध तक पहुंचाने का सेतु बनेगा इस दरम्यान स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके युवाओं के प्रति दृष्टिकोण पर आधारित भाषण एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।